ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)

बुलेटिन संख्या-५६
दिनांक-मंगलवार,७ अगस्त,२०१८

टेलीफोन - ०६२७४-२४०२६६

## विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३१.३ एवं २५.२ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ९१ सुबह में एवं दोपहर में ७८ प्रतिशत, हवा की औसत गति ३.६ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ३.३ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ५.८ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २६.८ एवं दोपहर में ३०.६ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में पूसा मौसमीय वेद्यशाला में ४०.६ मि०मी० वर्षा रिकार्ड हुई।

## • मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

**(८ से ११ अगस्त, २०१८)**

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा,समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी ८ से ११ अगस्त,२०१८ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- पूर्वानुमानित अवधि में तराई तथा मैदानी भागों के जिलों में हल्की वर्षा होने का अनुमान है। इन जिलों में कहीं-कहीं मध्यम वर्षा हो सकती है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान ३२ से ३४ डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान २५ से २७ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- औसतन १० कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्यतः पूरवा हवा चलने की संभावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब ८५ से ९० प्रतिशत तथा दोपहर में ६५ से ७० प्रतिशत रहने की संभावना है।

## • समसामयिक सुझाव

- उत्तर बिहार में पिछले कुछ दिनों में अच्छी बर्षा हुई है, जिसके कारण खेतों में जल जमाव की स्थिति बन गई है। किसान भाईयों को सलाह दी जाती है कि अरहर, हल्दी, ओल, सुर्यमुखी एवं मक्का की खड़ी फसलों तथा सब्जियों की नर्सरी में जमा हुए अधिक वर्षा जल के निकासी की व्यवस्था करें। कद्दुवर्गीय सब्जियों को उपर चढ़ाने की व्यवस्था करें ताकि वर्षा से सब्जियों की लत्तर को गलने से बचाया जा सके।
- वर्षा जल का लाभ उठाते हुए किसान धान की रोपाई प्राथमिकता के आधार पर करें। रोपे हुए धान की फसल में खरपतवार नियंत्रण के कार्य को प्राथमिकता दें। धान की खड़ी फसल में कीट-व्याधि का निरीक्षण करते रहें।
- प्याज की रोपाई पँक्ति से पँक्ति की दुरी १५ से०मी० एवं पौध से पौध की दूरी १० से०मी० पर उथली क्यारियाँ बनाकर करें। प्याज की नर्सरी से खर-पतवार निकालने का कार्य करें।
- फलदार पौधें का बगान लगाने का यह समय उत्तम चल रहा है। किसान भाई अपनी पसंद के अनुसार आम, लीची, आँवला, अमरुद, कटहल, शरीफा, नींबु के श्वस्थ पौधों को अधिकृत नर्सरी से खरीद कर रोपनी कर सकते है। रोपाई के पहले, प्रति गड्ढ़ा ४० से ५० किलोग्राम गोबर का प्रयोग अवश्य करें।
- लीची के लिए, मई के अन्त में पकने वाली किस्में जैसे देशी, शाही, अर्ली वेदाना, देहरारोज, पूर्वी तथा रोज सेण्टेड, जून के आरंभ में पकने वाली किस्में जैसे- कसवा, सबौर वेदाना, चाईना तथा लेट बेदाना, जून के मध्य में पकने वाली किस्में जैसे- कसैलिया, लौंगिया, स्वर्णरुपा, सबौर मधु, सबौर प्रिया आदि हैं। उपजाऊ मिट्टी में १० x १० मीटर की दुरी पर पौधों की रोपाई करें।
- अमरुद की इलाहावादी सफेद, सरदार, चित्तीदार, प्रभात, अरका, ललित, इलाहाबाद सुर्ख, श्वेता, हाईब्रीड- १ एवं हाईब्रीड- २ किस्मों की रोपाई ६ x ६ मीटर की दूरी पर करें।
- आंवला की फ्रान्सिस (हाथीझूल), बनारसी, चकैया, कृष्णा, कंचन, नीलम (एन०ए०-७), एन०ए०-१०, अमृत (एन०ए०-६), गोमा ऐश्वर्य के कलमी पौधों की रोपाई ६ x ८ मीटर की दूरी पर करें।
- आम के लिए, मई के अन्त से जुन माह में पकने वाली किस्में मिठुआ, गुलाबखास, बम्बई, एलफाँन्जों एवं जड़दालू तथा जून माह में पकने वाली किस्में लंगड़ा (मालदह), हेमसागर, कृष्णभोग एवं अमन दशहरी तथा जुलाई माह में पकने वाली किस्में फजली, सुकुल, सिपिया एवं तैमूरिया तथा अगस्त में पकने वाली किस्में समरबहिश्त, चौसा एवं कतिकी है। आम के संकर किस्मों के लिए महमूद बहार, प्रभाशंकर, अम्रपाली, मल्लिका, मंजीरा, मेनिका, सुन्दर लंगड़ा राजेंद्र आम-१, रत्ना, सबरी, जवाहर, सिंधु, अर्का, अरुण, मेनका, अलफजली एवं पूसा अरुणिमा आदि अनुशंसित है। कलमी आम के लिए पौधा से पौधा की दुरी १० मीटर, बीजु के लिए १२ मीटर रखें।

| | |
|---|---|
| आज का अधिकतम तापमानः ३१.५ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.४ डिग्री कम | आज का न्यूनतम तापमानः२५.५ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ०.३ डिग्री कम |

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी